## मामला ए-टू-जेड के काम रोकने का

# भुगतान जांच के बाद, काम शुरू

पटना | वराय सवाददाता

सोमवार की शाम पांच बजे से कूड़ा उठाव बंद करने की धमकी दिए जाने के बावजूद नगर आयुक्त दिवेश सेहरा जांच के बाद ही भुगतान किए जाने पर अड़े रहे। इस मुद्दे पर सशक्त स्थायी समिति की आपात बैठक में दोनों पक्षों के बीच विस्तार से चर्चा हुई। अंत में कंपनी ने भी अपनी गलती स्वीकार की और जांच के बाद ही भुगतान किए जाने पर राजी हो गई। इसके बाद कंपनी ने सोमवार की देर रात से कूड़ा उठाने का काम शुरू कर दिया।

हालांकि इसके पहले नगर आयुक्त ने स्थिति ने निपटने की पूरी तैयारी कर रखी थी। सड़कों पर कूड़ा हटाने के लिए पर्याप्त संख्या में वाहनों का प्रबंध कर शाम तीन बजे से ही कूड़ा उठाने का काम शुरू कर दिया गया था। इधर सशक्त स्थायी समिति की बैठक में इस बात का खुलासा हुआ कि करार के मुताबिक कंपनी काम नहीं कर रही थी। नगर आयुक्त द्वारा कई बार निर्देश दिए जाने के बावजूद कंपनी ने अपने कार्यों में सुधार नहीं किया है। करार के मुताबिक निगम की तरफ से भी कुछ कमियां हैं।

### कंपनी की ओर से कमी

- दो सौ होल्डिंग पर नहीं रखा एक ठेला मशीन से नहीं करती है सड़कों की नियमित सफाई
- नौ सड़कों की स्टॉम वाटर ड्रेनेज की कभी नहीं की है सफाई
- डंपिंग यार्ड में कूड़ा लेकर वाहन को अंदर ले जाने और खाली वापस लौटने की नहीं करायी है वीडियोग्राफी
- डस्टबिन रखने के लिए नही बनाया प्लेटफार्म,कंपनी समय का नहीं करती है पालन, करार के तीन माह के अंदर नहीं शुरू किया फुल फ्लेज काम

### निगम की ओर से कमी

● डंपिंग यार्ड तक रास्ता बनाने में हुई देरी ● बिल भुगतान करने में हुई देरी ● जांच के नाम पर किया जाता रहा टाल-मटोल ● घर, दुकान, और होटलों से कूड़ा उठाने के बदले पैसे लेने का नहीं दिया अधिकार

नगर आयुक्त अपनी जगह पर सही हैं। 15 दिनों के अंदर जांच पूरी कर नियम के मुताबिक कंपनी को भुगतान किया जाएगा। करार के अनुसार निगम की ओर से भी कमियां हैं लेकिन निगम की हालात का कंपनी ने भी फायदा उठाया है।

**अफजल इमाम**, मेयर

सशक्त स्थायी समिति ने 15 दिनों के अंदर भुगतान कराने का आश्वासन दिया है। कंपनी करार के मुताबिक काम कर रही है और करेगी। अगर कुछ कमियां रह गई है तो उसमें सुधार किया जाएगा। कूड़ा उठाने का काम बंद नहीं किया जाएगा।

**विकास झा**, ए-टू-जेड